स्वतंत्रता

प्रमा सुराना
कक्षा: षष्ठम, वर्ग : क

स्वतंत्रता एक शांतिदायक तथा संतुष्टिदायक जीवन के लिए आवश्यक अधिकार है। स्वतंत्रता का अर्थ है, "जनता की जीवन पद्धति में रुकावट न होना एवं सभी को अपने विकास के लिए समान अवसर मिलना।"

यह हमारे जीवन के अस्तित्व के लिए अनिवार्य है। आज़ादी का शाब्दिक अर्थ है सभी बंधनों से मुक्ति।

प्रत्येक जीवित प्राणी को स्वतंत्रता का अधिकार अनिवार्य होना चाहिए।यहाँ तक कि पक्षी, जीव - जंतु भी बंधन में नही रहना चाहते हैं।

कोई भी पिंजरे का पक्षी नहीं बनना चाहता। यही बात देशों पर भी लागू होती है - कोई भी देश गुलामी के बंधन में बंधकर नहीं रहना चाहता है।

आज़ादी का मतलब यह नहीं है कि हम किसी भी प्राणी या प्रकृति पर कुछ घृणित और भयावह कार्य करें।

आज़ादी का मतलब यह भी नहीं है कि हम समय का दुरूपयोग करें।

१५ अगस्त १९४७ को भारत को ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता प्राप्त हुई।

इस स्वतंत्रता संग्राम में, कई लोगों ने अपने बहुमूल्य जीवन का बलिदान दिया है और इसलिए हमें उनका सम्मान करना चाहिए क्योंकि वे ही हैं जिनके उल्लेखनीय प्रयास और सहानुभूतिपूर्ण स्वभाव ने भारत को स्वतंत्रता हासिल कराई।

बाल गंगाधर तिलक ने कहा था "स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार हैऔर मैं इसे लेकर रहूँगा!" इसका उपयोग समाज के कल्याण और उत्थान के लिए किया जाना चाहिए, न कि केवल हमारी पूर्वापेक्षा के लिए।

अतः आज़ादी हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है और हमें इसे अपने परम कर्तव्य के रूप में संरक्षित रखना चाहिए।